वर्षः- 05
अंकः- 339
मुरादाबाद
(Saturday)
04 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने गुड फ्राइडे पर देशवासियों को दिया संदेश, करुणा और भाईचारे का किया आह्वान

गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों को संदेश दिया और यीशु मसीह के बलिदान को याद किया। नेताओं ने अपने संदेशों में प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भाव के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड फ्राइडे के अवसर पर देशवासियों को संदश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह दिन ईसा मसीह के बलिदान की याद दिलाता है और हमें उनके बताए मूल्यों पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुड फ्राइडे हमें सद्भाव, करुणा और क्षमा जैसे मूल्यों को और गहराई से अपनाने का अवसर देता है। भाईचारा और आशा हम सभी का मार्गदर्शन करें।यीशु मसीह के बलिदान को किया याद

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि गुड फ्राइडे का यह पवित्र दिन हमें यीशु मसीह के बलिदान की याद दिलाता है

और उनके प्रेम, करुणा व क्षमा के शाश्वत संदेश पर चिंतन करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि यीशु का जीवन हमें विनम्रता, निस्वार्थता और नेकी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा

देता है। साथ ही उन्होंने कामना की कि यह दिन समाज में सद्भाव और दयालुता को बढ़ाने के संकल्प को मजबूत करें।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संदेश में कहा कि इस पवित्र दिन पर हम ईसा मसीह के उस सर्वोच्च बलिदान को याद करते हैं, जो उन्होंने मानवता के लिए दिया। उन्होंने कामना की कि यह दिन हमें दयालुता अपनाने, विश्वास को मजबूत करने और समाज में सद्भाव फैलाने की प्रेरणा दे। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी गुड फ्राइडे पर देशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि यह दिन शांति, सेवा और सद्भाव के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे यीशु मसीह के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर समाज की भलाई के लिए कार्य करें और सभी के प्रति करुणा व समावेशिता का भाव रखें।

बजट सत्र विस्तार पर रारः कांग्रेस बोली- संसद का दुरुपयोग कर रही सरकार, राज्यों में विधानसभा चुनाव की दी दलील

केंद्र सरकार द्वारा चुनाव के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाने पर कांग्रेस ने कई आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि बंगाल और तमिलनाडु चुनाव में फायदा लेने के लिए उठाया गया। महिलाओं के आरक्षण कानून और परिसीमन को लेकर सरकार की जल्दबाजी पर सवाल उठाए गए। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और आचार संहिता के खिलाफ बता रहा है।पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच केंद्र सरकार द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार इस कदम के जरिए चुनाव में राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है। पार्टी का कहना है कि यह आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश है।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सरकार महिलाओं के आरक्षण कानून और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को जल्दबाजी में लाकर चुनावी लाभ लेना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में कानून पास होने के बाद 30 महीने तक कोई कदम नहीं उठाया और अब चुनाव के समय इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।जयराम रमेश ने कहा कि सरकार का असली उद्देश्य पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु

के चुनाव को प्रभावित करना है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह इतना जरूरी था तो 15 दिन बाद सत्र क्यों नहीं बुलाया गया। उनके मुताबिक यह कदम सीधे-सीधे राजनीतिक लाभ लेने की रणनीति है।क्या परिसीमन से राज्यों का संतुलन बिगड़ेगा? कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर भी चिंता जताई है। रमेश ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से छोटे राज्यों और दक्षिण भारत के राज्यों को भारी नुकसान हो सकता है। उनका दावा है कि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें 120 तक जा सकती हैं, जबकि केरल जैसे राज्यों की संख्या बहुत कम बढ़ेगी।

क्या सरकार ने बिना जानकारी के फैसला लिया?- कांग्रेस का आरोप है कि परिसीमन को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। रमेश ने कहा कि ऑफ रिकॉर्ड जानकारी मिली है, लेकिन संसद में इस पर कोई स्पष्ट प्रस्ताव नहीं रखा गया। इससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। क्या विपक्ष को साथ लिए बिना बढ़ाया गया कदम?- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता राहुल गांधी ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाने का फैसला किया है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार डिवाइड एंड रूल की नीति पर काम कर रही है और सभी दलों को साथ लेकर नहीं चलना चाहती।क्या संसदीय प्रक्रिया का पालन हुआ?- रमेश ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस को बातचीत के लिए पत्र लिखा था, लेकिन कांग्रेस ने सभी दलों की बैठक की मांग की। इसके बावजूद सरकार ने एकतरफा निर्णय लेकर सत्र बुला लिया। राज्यसभा में इस मुद्दे पर पहले ही सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हो चुकी है। नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार को कानून लाने का अधिकार है, जबकि विपक्ष ने इसे दबाव की राजनीति बताया। क्या आगे और बढ़ेगा राजनीतिक विवाद?- 16 अप्रैल से शुरू होने वाला यह सत्र तीन दिन तक चल सकता है। इसमें महिलाओं के आरक्षण कानून में संशोधन और लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। चुनावी माहौल में यह मुद्दा और बड़ा राजनीतिक टकराव बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अग्निवीर भर्ती में बड़ा बदलावः एक साल बढ़ी आयु सीमा, दो पदों के लिए कर सकेंगे आवेदन; कार्यक्रम जारी

बरेली सेना भर्ती कार्यालय ने अग्निवीर भर्ती का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। इस बार अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किए गए हैं। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के लिए बरेली सेना भर्ती कार्यालय ने कार्यक्रम जारी किया है। इसके अनुसार आयु सीमा को एक वर्ष बढ़ाया गया है। ऑनलाइन आवेदन की आखिरी तिथि 10 अप्रैल है। लिखित परीक्षा जून में होगी। सफल अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता व मेडिकल परीक्षा में शामिल होंगे।भारतीय सेना में 2026-27 की अग्निवीर भर्ती संबंधी जानकारी www.joinindianarmy.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। भर्ती के लिए अब 17.5 वर्ष से 22 वर्ष की आयु वाले युवा आवेदन कर सकेंगे। पहले 17.5 वर्ष से 21 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित थी। इन पदों के लिए होगी भर्ती - यह भर्ती जनरल ड्यूटी, टेक्निकल, क्लर्क स्टोर कीपर, ट्रेड्समैन और अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस के पदों के लिए है। नर्सिंग सहायक (एनए, एनए वेट) की अधिकतम आयु 23 वर्ष और सिपाही फार्मा के लिए 25 वर्ष तय की गई है। सभी वर्गों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये है। एक फॉर्म में दो पद के लिए आवेदन होंगे।

भारत की समुद्री ताकत में इजाफाः नौसेना से जुड़ा INS तारागिरी, राजनाथ सिंह बोले- हम एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी नौसेना, चाहे फारस की खाड़ी हो या मलक्का जलडमरूमध्य, हिंद महासागर में निरंतर अपनी उपस्थिति बनाए रखती है। जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह बचाव अभियान हो या मानवीय सहायता प्रदान करना, हमारी नौसेना हमेशा सबसे आगे रहती है। हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस तारागिरी के शामिल होने से हमारी नौसेना की शक्ति, मूल्यों और प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी।भारत की समुद्री सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी और आईएनएस अरिदमन को नौसेना में शामिल कराया। इस समारोह में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए।इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा, आईएनएस तारागिरी के जलावतरण से भारत की नौसेना की ताकत और बढ़ी है। आईएनएस तारागिरी में ब्रह्मोस और सुपरसोनिक मिसाइल से लैस है। इतिहास हमें बताता है कि कोई भी देश बिना अपनी नौसैनिक ताकत को मजबूत किए शक्तिशाली

नहीं माना जा सकता है।समय के साथ भारत का समुद्र से रिश्ता और मजबूत हुआ – रक्षा मंत्री- रक्षा मंत्री ने कहा, ये शहर अपने आप में भारत की समुद्री शक्ति का साक्षी रहा है, इसलिए विशाखापट्टनम से ढ्हस्ट तारागिरी कमीशनिंग अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल है। हमारी सांस्कृतिक विरासत से लेकर आज की रणनीतिक वास्तविकताओं ने समुद्र में हमेशा भारत की दिशा तय की है। भारत का हमेशा से ही समुद्र के साथ अनोखा संबंध रहा है और समय के साथ समुद्र से हमारा रिश्ता और भी मजबूत होता गया है। उन्होंने कहा, हमें केवल अपने तटों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय हितों से जुड़े महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों, चोक पॉइंट्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए। मुझे खुशी है कि भारतीय नौसेना इन सभी सुरक्षा कार्यों में सक्रिय रूप से लगी हुई है। होर्मुज को लेकर क्या बोले राजनाथ सिंह?- राजनाथ सिंह ने कहा, जब भी तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई है, भारतीय नौसेना ने हमारे वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमारी नौसेना ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल भारत के हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अपने नागरिकों और व्यापार मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए विश्व स्तर पर हर संभव कदम उठा सकती है। यही क्षमता भारत को एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनाती है। उन्होंने कहा, जब हमारे प्रधानमंत्री 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की बात करते हैं, तो उस परिकल्पना में नौसेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। 11,000 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा वाला हमारा देश, जो तीन तरफ से समुद्र से घिरा है, समुद्र से अलग अपने विकास की कल्पना नहीं कर सकता। हमारे लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्र पर निर्भर करती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना हमारे लिए केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है।

स्कूलों में मनाचे लोक पढ़ाने पर रारः पूर्व बीएमसी मेयर का प्रस्ताव, AIMIM बोली-धर्म नहीं, संविधान पढ़ाओ

मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने बीएमसी के स्कूलों में संत समर्थ रामदास के मनाचे श्लोक% को अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। लेकिन एआईएमआईएम ने इसे सेक्युलरिज्म के खिलाफ बताते हुए विरोध किया है और स्कूलों में संविधान पढ़ाने की वकालत की है।मुंबई नगर निगम के स्कूलों में 17वीं सदी के संत समर्थ रामदास स्वामी के %मनाचे श्लोक% की गूंज सुनाई देगी या नहीं, इस पर घमासान शुरू हो गया है। मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना (यूबीटी) की नेत्री किशोरी पेडनेकर ने बीएमसी के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में मनाचे श्लोक% का पाठ अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के सामने आते ही धर्म बनाम संविधान की बहस छिड़ गई है।पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने बीएमसी कमिश्नर को एक नोटिस भेजा है। इसमें उन्होंने मांग की है कि जिन स्कूलों में

मराठी भाषा एक अनिवार्य विषय के तौर पर पढ़ाई जाती है, वहां हर दिन %मनाचे श्लोक% का पाठ जरूरी किया जाए।प्रस्ताव में दलील दी गई है कि समर्थ रामदास स्वामी रचित ये श्लोक बेहद सरल भाषा में हैं। इनके पाठ से बच्चों में अच्छे संस्कार आएंगे, मानसिक अनुशासन बढ़ेगा और उनका बौद्धिक विकास होगा। पेडनेकर का कहना है कि आज के दौर में बच्चे बहुत तनाव में रहते हैं, ऐसे में यह श्लोक उनके तनाव को कम करने और उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने इसके लिए बाकायदा स्कूल के टाइम-टेबल में एक निश्चित समय तय करने की बात कही है।जैसे ही यह प्रस्ताव सामने आया, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने इस पर ऐतराज जताया। बीएमसी में एआईएमआईएम गुट के नेता विजय उबाले ने कहा कि हमारे सरकारी स्कूल धर्मनिरपेक्ष हैं। किसी खास धर्म या संप्रदाय से जुड़े आध्यात्मिक साहित्य को सभी बच्चों पर थोपना गलत है। उबाले ने कहा कि अगर बच्चों को कुछ सिखाना ही है, तो स्कूलों में भारत का संविधान पढ़ाया जाना चाहिए। इससे बच्चे देश के अच्छे नागरिक बनेंगे और अपने अधिकारों व कर्तव्यों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। किशोरी पेडनेकर ने नगर निगम आयुक्त से मांग की है कि वो इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जांच करें और एक रिपोर्ट सौंपें। यह प्रस्ताव आने वाली बीएमसी की जनरल बॉडी मीटिंग में चर्चा के लिए रखा जा सकता है, जहां इस पर जोरदार बहस होने के पूरे आसार हैं।

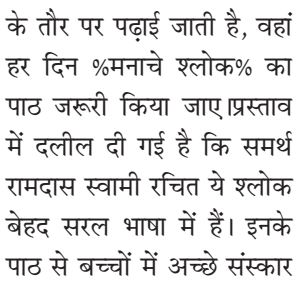

अब छोटे और पिछड़े जिलों में खुलेंगे बड़े औद्योगिक केंद्र, स्थानीय उत्पादों वाले उद्योगों को बढ़ाया जाएगा

नई रणनीति के तहत औद्योगिक विकास को संतुलित करने की कवायद की जा रही है। इससे हाथरस-बाराबंकी समेत कई अन्य जिलों को फायदा मिलेगा।उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को संतुलित करने के लिए छोटे व पिछड़े जिलों में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की रणनीति बनाई गई है। उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने बलिया, हाथरस, फतेहपुर, बाराबंकी और चित्रकूट जैसे जिलों में बड़े औद्योगिक केंद्र विकसित करने के लिए हालिया फैसलों के साथ पहले के निर्णयों को भी जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है।राज्य सरकार पहले से ही औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत छोटे और पिछड़े जिलों में निवेश करने वाले उद्यमियों को अतिरिक्त सब्सिडी, सस्ती जमीन और स्टांप ड्यूटी में छूट जैसे लाभ दे रही।ओडीओपी योजना के जरिये स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम हो रहा है। यूपीसीडा के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले चरण में कई छोटे जिलों में मिनी औद्योगिक एस्टेट और फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजनाओं को विस्तार देते हुए बड़े औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि बलिया, हाथरस, फतेहपुर, बाराबंकी और चित्रकूट के औद्योगिक क्षेत्रों के प्रस्तावों पर विचार करते हुए कुछ शर्तों में ढील दी गई है। तलपट (लेआउट) मानचित्रों में संशोधन के निर्देश देते हुए उन्हें स्वीकृति दे दी गई है। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। पहले से बंद औद्योगिक इकाइयों और कताई मिलों की जमीन के पुनः उपयोग में लाने का फैसला भी लागू करना शुरू कर दिया गया है। करने की रणनीति – छोटे जिलों में उद्योग स्थापित करने से न सिर्फ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि बड़े शहरों पर बढ़ता औद्योगिक दबाव भी कम होगा।

संपादकीय Editorial

A Desert on Green Grass

The state's economic landscape has changed, and the standards of trust have been accepted. The entire budget session proves that mistakes will no longer be tolerated, and that the government's job is also to showcase its impressive economic policies. Good governance still has a long way to go, as the desert of debt is expanding over the green grass. The concerns expressed by the ruling party are more or less the same as those expressed by the opposition, except that politics only follows lines. Meanwhile, if the situation escalates, attempts to seek relief are also documented. If the government adds a point about increasing entry tax to increase resources, it becomes a Himachal-Punjab issue. Himachal will hardly find a solution to its interests by standing on the Himachal-Punjab border, as the past system has weakened its justification for its rights. The BJP's prerogative and its charisma may be the political reasons for finding failure in the current government, but every time the fickle people ruminate on economic matters, the memory of Kunju will haunt them. Who is this Kunju? This Kunju has grown old, embracing the mountainous regions of Punjab in favor of a vast Himachal, pining for the rights of Punjab reorganization, and singing the praises of a self-reliant state. The birds currently perched on the Sukhu government's trees have been feeding on the same crops in every era. They only want grains, so the CAG report, like every other time, deepens and lengthens the lines of concern. The situation is such that the government had to borrow thirteen times to get through the twelve months of the last financial year. In reality, whether borrowed or donated, discipline in spending is paramount. By and large, governments to date have chosen unwarranted expenditures. Instead of focusing on objectives, they spent based on popularity, fitting political pieces, resulting in festering wounds. If the CAG report has criticized the use of disaster relief funds, it's worth noting that all our tyrants are guilty. The misuse of 258.30 crore rupees of the SDRF in 2019-20 robs us of 61.07 crore rupees. The total 254.73 crore rupees of the approved NDRF for 2020-22 remains unspent because expenditure details remain obscure. The CAG finds loopholes in the government's revenue. It found that the 209 crore rupees collected through cess failed to be used through a transparent process. By digging into 40,000 cases of illegal mining in the last five years, the CAG reveals how fragmented our governance, system, and social consciousness are. The Himachal we try to unravel, riddled with boasts, the antics of the ruling and opposition parties, and the mysteries of its citizens, is now mired in debt payments, a self-styled emperor. It's worth considering how much this state, with a population of approximately 70-75 lakh, will be able to breathe amid a debt of over one lakh crore rupees. In such a scenario, the CAG report implies how many diamonds and thorns will be in store for the annual budget. Indeed, we'll be nearing the next assembly elections, trying to gauge how much the budget presentation will plow back into the same ground it had previously pushed back compared to last year. Before passage, the budget will be subject to a fair amount of flattery, as the central government has provided 3920 crore rupees under the "Pride of the Hills Special Assistance to State Capital Investment." The funds received under the 25,000 crore rupee fund for the nine hill states have a defined code and developmental purpose, so their expenditure will prevent some of the leakage of valuable mountainous regions. Nevertheless, this does not compensate for the hill states' participation and the fiscal restraint they have exercised towards their water, forest, environmental, and climate balance. There is a need for a separate.

Bengaluru's tragedy raises questions about the system: Is suicide the only solution?

This incident isn't just the tragedy of one family. It's a systemic failure. It shows that our society still doesn't take mental health seriously. For physical illness, we rush to the hospital, take medication, and take leave. But we consider worry, depression, and anxiety to be a "mindset" or a "weakness." "Have courage," "Everything will be fine." Bengaluru, known as India's IT capital, has been shaken in the past 24 hours by an incident that is not only heartbreaking but also compelling for society. On March 31, 2026, a young tech couple committed suicide in a high-rise apartment in the Kothanur area. Husband Bhanuchandra Reddy (32) and wife Bibi Shazia Siraj (31). Both were software engineers, earning well, and had moved to Bengaluru with experience in the US. An annual salary of ?80 lakh, a house in the US, five years of marriage, and no children. Outwardly, they possessed everything considered the definition of success. But deep inside? Just one worry: losing their job. Bhanuchandra Reddy worked in the US. He was laid off due to AI (Artificial Intelligence), and lost his job. Returning to India, he searched for another job, but was unsuccessful. The anxiety grew. His health also became a concern. His suicide note included, "Job worries and increasing stress." His wife, Shazia, was working at a new job at IBM. When she returned from her night shift at 7:30 a.m., she found her husband's room locked from the inside. Security guards broke down the door, and Bhanuchandra was hanging. Shazia stood there for 20 minutes, observing everything. Then, she quietly took the elevator to the 18th floor and jumped. This incident isn't just a family tragedy. It's a systemic failure. It shows that our society still doesn't take mental health seriously. In case of physical illness, we rush to the hospital, take medication, and take leave. But we consider worry, depression, and anxiety to be a 'mindset' or a 'weakness'. "Have courage," "Everything will be fine," and "What will you say to others?" are the first words we hear today. The result? Young people like Bhanuchandra, who lost their jobs to AI and became anxious, and wives like Shazia, who couldn't bear the sudden death of their husband. Statistically, the suicide figures in India are alarming. According to the National Crime Records Bureau (NCRB), there were 171,418 suicides in 2023. The rate per lakh population has reached over 12.4. The IT sector has seen over 227 reported suicide cases from 2017 to 2025. This figure is rising among young professionals, especially those aged 25-40, who face job uncertainty, layoffs due to AI, performance pressure, and the burden of loan and EMI payments. Such cases are reported every month in cities like Bengaluru, Hyderabad, and Pune. Yet, we remain silent. The problem isn't just job loss. The problem is the silence that refuses to acknowledge mental illness. The National Mental Health Survey shows that 80 percent of people don't seek treatment for mental illness. The reasons? Stigma, lack of awareness, and a lack of facilities. The number of psychiatrists in India is extremely low, with only 0.75 psychiatrists per lakh population. District-level psychiatric clinics are minimal. The National Mental Health Program (NMHP) has been running since 1982, but its reach hasn't reached villages and towns. Sessions in private hospitals are expensive, costing 1500-3000 rupees for an hour of counseling, which is a burden for the middle class. The question now is: will we learn from this tragedy? Will we start treating mental health like physical health? The answer must be yes. We need a strong psychological ecosystem, just like the network of general hospitals. To achieve this, we need to take some drastic steps. The government should establish at least one full-time mental health center in every district, staffed by psychiatrists, psychologists, counselors, and social workers. OPDs should be free or very affordable. Tele-mental health services should be strengthened to ensure access in rural areas. Mental health insurance should be made mandatory in schemes like Ayushman Bharat. The corporate sector must also take initiative. IT companies, where layoffs are the most common, should mandate Employee Assistance Programs (EAPs). Every employee should receive at least four free counseling sessions per year. Outplacement support should be provided along with psychological support during layoffs. In light of AI layoffs, mental resilience training should be made mandatory along with skill retraining. Mental health education should be mandatory at the school and college level. Everyone from children to the elderly should understand the principle, "If you have depression, go to the doctor." The media must also fulfill its responsibility. Report suicides sensitively, without exaggerating them. Families should foster an environment for open discussion. We must understand that mental illness is not a "sin" or a "weakness." Diabetes is a common condition, insulin is used, and heart attacks require stents. So why not seek treatment for anxiety or depression? Only when we recognize that mental illness is like any other illness will people feel free to seek expert help. Instead of silently drowning in worry like Bhanuchandra, they will be able to seek help in time. Unlike Shazia, the shock of her husband's sudden death will no longer be endured alone. This change It's not easy. It requires the government, the private sector, NGOs, and ordinary citizens to come together. But if we don't change today, tomorrow many more Bhanuchandras and Shazia will leave us. This incident in Bengaluru is not just a warning, but a call to action. Our youth are the strength of our country. They are progressing in IT, startups, and engineering. But if their mental health is neglected, this strength will be weakened. Prioritizing mental health is no longer a luxury, but a national necessity. When we establish a network of mental health centers like hospitals, when counselors are available in every village and city, and when the stigma surrounding it is removed, only then will such tragedies be reduced. Let us begin this change in the memory of Bhanuchandra and Shazia. Because they were not just a couple. They represented thousands of young people who still silently struggle with anxiety. The time has come to recognize physical and mental health as two sides of the same coin. Only then will we be able to build a healthy, empowered India.

Bengal Assembly Elections 2026: Incomplete voter list puts the future of 11 TMC candidates in jeopardy

.

With Mamata Banerjee's fixed vote bank and candidates from the same community facing the brunt, Mamata Banerjee and her party are leaving no stone unturned in the fight. When the Election Commission released the Bengal voter list, the names of 6,366,952 voters were deleted. It was stated that these voters were either dead or had moved to another state. Interestingly, the words "pending" were added next to the names of 6,066,675 people. This was enough to disturb Mamata Banerjee and her party. After being disturbed, she became agitated when she learned that the names of 11 candidates, including Minister Shashi Panja, were missing from the voter list. Of the pending voters, approximately 4.6 million have been verified and investigated. 705 judicial officers are examining two lakh people daily, and hearings for 1.4 million people are still pending. Of these, 11 candidates, including Shashi Panja, a prominent minister in the Mamata Banerjee government, are not even listed on the voter list. Besides Shashi Panja, the other declared TMC candidates are Mohammad Ghulam Rabbani, Mohammad Nazrul Islam, Noor Alam, Dr. Abdul Aziz, Shahina Mumtaz, Swati Khandekar, Shrisanya Bandopadhyay, Anisur Rahman, and Fayyaz Sheikh alias Kajal Sheikh. As for their credentials, Shashi Panja is a senior MLA and minister in an important department. She is the daughter-in-law of the late Ajit Panja, a senior Congress and Trinamool Congress leader and former Union Minister. Mohammad Ghulam Rabbani is a senior MLA and former state minister. MLA Swati Khandekar is a former MP and wife of the late Akbar Ali Khandekar. Shrisanya Bandopadhyay is the son of senior TMC MP and advocate Kalyan Banerjee. Fayyaz Sheikh, alias Kajal Sheikh, is a senior and powerful leader from Birbhum district. He has always had a close relationship with Anubrata Mandal, alias Kesto Mandal, a powerful leader from Birbhum district who has been jailed in Tihar Jail for cow smuggling. This means that these are people who are known to the public for one reason or another. Chandrama Bhattacharya, a minister in the Mamata Banerjee government, has sent a three-page email to Chief Justice Sujay Paul of the Calcutta High Court, raising various issues related to the SIR. One page is devoted to the 11 TMC candidates, including the length of time their names will remain under consideration. The names of these candidates, their assembly seats, and their EPIC numbers are listed. The reason behind Chandrama Bhattacharya's email to the Chief Justice of the Calcutta High Court is that, under the Supreme Court's direction, judicial officers under the Calcutta High Court are scrutinizing the pending nominations.

The last date for filing nomination papers for the first phase of the elections is April 6 (Monday). The fate of six TMC candidates hangs in the balance: Mohammad Ghulam Rabbani from Goalpukhur seat in North Dinajpur district, Mohammad Nazrul Islam from Mothabari seat in Malda district, Noor Alam from Shamsherganj seat in Murshidabad district, Dr. Abdul Aziz from Lalgola seat, Shahina Mumtaz from Nawada seat, and Fayaz Haque alias Kajal Sheikh from Hassan seat in Birbhum district. The last date for filing nomination papers for the second phase of polling is April 9 (Thursday). The fate of five TMC candidates in the second phase hangs in the balance: Anisur Rahman from Deganga seat in North 24 Parganas district, Swati Khandekar from Chanditala seat in Hooghly district, Srisanya Bandopadhyay from Uttarpara seat, and Shashi Panja from Shyampukur seat in Kolkata. However, as far as Shashi Panja's Shyampukur seat is concerned, she won by 22,520 votes in the last assembly elections. However, it is reported that 51,918 voters have been removed from the SIR from this Shyampukur constituency. Furthermore, Shashi Panja's name is also included in the pending list. It is noteworthy that among the TMC's 11 candidates under consideration, minority candidates comprise more than half, i.e., eight. With Mamata Banerjee's fixed vote bank and candidates from this community also facing a setback, Mamata Banerjee and her party are leaving no stone unturned in the fight. Now, it remains to be seen what considerations are given to these candidates before the deadline for filing nominations!

सरकारी भवनों का लू और गर्मी से बचाव करेगा सफेद रूफ टॉप

मुरादाबाद। अल नीनो प्रभाव से इस बार पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तरी तराई क्षेत्रों में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ेगी। साथ ही अप्रैल-मई में ही लू चलने की मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए जिले में हीट एक्शन प्लान के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में लू व भीषण गर्मी से बचाने के लिए सरकारी भवनों के रूफ टाप को सफेद रंग से पेंट किया जा रहा है। जिससे तपिश से राहत मिल सके। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिलाधिकारी अनुज सिंह ने जिले के विभागों व आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों को आपसी समन्वय से भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए सभी जरूरी उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को लखनऊ से आई टीम के सदस्यों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण कर गर्मी व अन्य परिस्थितियों का फीडबैक लिया। सिटी हीट एक्शन प्लान के अनुसार सरकारी भवनों के रुफ टाप को सफेद पेंट कराया जा रहा है।ठाकुरद्वारा विकास खंड के लगभग सभी सरकारी व सार्वजनिक भवनों के रुफ टाप को सफेद पेंट किया जा रहा है। जिससे भीषण गर्मी में सूरज की तपिश व लू के समय राहत मिले। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय के निर्देशन में जिला आपदा विशेषज्ञ प्रदीप सिंह सभी विभागों से कार्यों का समन्वय कर रहे हैं। जिससे समय रहते सभी उपाय पूरे हो सकें। उन्होंने बताया कि नीनो प्रभाव से अप्रैल से जून तक पूर्वी उत्तर प्रदेश व उत्तरी तराई क्षेत्रों में पड़ेगी सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विभागों से समन्वय कर तैयारी में जुटा है। सरकारी व सार्वजनिक भवनों के रूफ टाप को सफेद पेंट कराया जा रहा है। इससे सूरज की किरणों के रिफ्लेक्शन से तपिश से राहत मिलेगी।

प्रशासन के आदेशों को हवा में उड़ा रहे प्राइवेट स्कूलों के संचालक

प्राइवेट स्कूल संचालक प्रशासन के आदेशों को हवा में उड़ा रहे हैं। संचालकों द्वारा अभिभावकों पर निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने को दबाव बनाया जा रहा है। निजी प्रकाशकों की किताबें कई गुना महंगी हैं। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों की मनमानी से अभिभावकों की जेब पर डाका पड़ रहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि अभियान चलाकर ऐसे स्कूल संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा संचालकों और प्रधानाचार्यों को कक्षा 8 तक एनसीईआरटी की किताबों से पढ़ाई कराने के आदेश दिए हैं। लेकिन जिले के अधिकांश स्कूलों में प्रशासन के आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के प्रवेश के समय निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए दबाव बना रहे हैं। कई स्कूल संचालकों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए कहा गया है। जिसके कारण अभिभावकों के जेब पर बेवजह का बोझ बढ़ गया है। पुस्तक विक्रेताओं की दुकानों पर अभिभावकों की भीड़ लग रही है और बहुत देर बाद कोर्स खरीदने के लिए नंबर आ रहा है।मोईन ने बताया कि निजी स्कूलों की मनमानी से तंग आ गए हैं समाज के डर से बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है वर्ना उनसे अच्छी पढ़ाई सरकारी स्कूलों में है। वहां प्रशिक्षित टीचर हैं। फैजान के मुताबिक प्राइवेट स्कूलों में निजी प्रकाशकों की किताबें लगाए जाने पर जोर है। जबकि, एनसीईआरटी की किताबें बहुत कम कीमत में उपलब्ध हैं। स्कूल संचालक अपनी मनमानी कर रहे हैं। हमजा ने बताया कि कोर्स लेने आए थे लेकिन, किताबों की दुकानों पर बहुत भीड़ है। काफी देर से किताबों के खरीदने के इंतजार में खड़े हैं। स्कूल में जिन किताबों की लिस्ट दी गई है वही खरीदेंगे। दूसरी तरफ पुस्तक विक्रेता अभिषेक ने बताया कि निजी प्रकाशकों की किताबें 700 रुपये कीमत की हैं। स्कूलों द्वारा जिन किताबों को सजेस्ट किया जाता है वही किताबे बच्चों के अभिभावकों को दी जाती हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल का कहना है कि मनमानी करने वाले निजी स्कूल संचालकों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। पुस्तक विक्रेताओं की दुकानों पर चेकिंग कराई जाएगी कि कौन सी किताबों को खरीदने पर जोर दिया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन कराएगी 7 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा

मुरादाबाद । भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा करने का मौका इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) दे रही है। आईआरसीटीसी द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात में द्वारकाधीश, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नासिक में त्रियंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी, ज्योतिर्लिंग एवं स्थानीय मंदिर यात्रा का संचालन किया जा होगा। इस यात्रा में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंमकारेश्वर सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग (गुजरात), त्रियंबकेश्वर घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग (संभाजी नगर) शामिल है। इसके (कुल 49 सीटें), 3 एसी (कुल 210 सीटें)एवं स्लीपर गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हा सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और ललितपुर स्टेशन आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धकअजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस पैकेज में 2 एसी, 3 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0- 23500/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रू0- 22160/- है। (स्लीपर क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर नॉन एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) है और स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रूपये 40000 /- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रुपये 38430 /- है । (3एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) है। कम्फर्ट श्रेणी (2एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रुपये 53260/- प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य रू0- 51370/- है। (2एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) रहेगी। एलटीसी व ईएमआई की सुविधा भी यात्रा सेवा में एलटीसी और ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है। ईएमआई की सुविधा आईआरसीटीसी पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। ऐसे कराएं बुकिग- यात्रा की बुकिंग के लिए पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourism.com से आनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

बुद्धि विहार में सात घंटे गुल रही बिजली, 30 हजार लोग बेहाल, अफसरों ने नहीं उठाए फोन

मुरादाबाद के बुद्धि विहार में बिना पूर्व सूचना 33 केवी लाइन बंद होने से करीब 30 हजार लोग सात घंटे तक बिजली-पानी संकट से जूझते रहे। मेंटिनेंस के नाम पर किए गए शटडाउन से लोगों को भारी परेशानी हुई। विद्युत निगम की ओर से समय पर आक्रोश फैल गया।मुरादाबाद पॉश कॉलोनी बुद्धि विहार गई। बिना किसी पूर्व सूचना के 33 केवी लाइन बंद कर घंटे तक भीषण गर्मी में बेहाल रही। मेंटिनेंस के नाम पर बन गया।सुबह से दोपहर तक बिजली गुल रहने के गया। मोटरें नहीं चल सकीं, टंकियां खाली हो गईं और भी जवाब दे गए, जिससे हालात और बिगड़ गए।मोबाइल कामकाजी लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। परेशान फोन किया तो पहले बताया गया कि दोपहर तीन बजे भी बिजली नहीं आई तो दोबारा संपर्क किया गया। इस नहीं बता सकते। इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। फोन भी बंद मिला। जिम्मेदार अधिकारियों की यह कॉलोनी के निवासियों ने आरोप लगाया कि बिना सूचना जनता के साथ खिलवाड़ है। गर्मी में घंटों बिजली-पानी सूचना देनी चाहिए। सुबह से बिजली गायब रही और किसी ने पहले से सूचना तक नहीं दी। पानी की टंकी खाली हो गई, बच्चों को दिक्कत हुई। इतनी बड़ी कॉलोनी में ऐसी लापरवाही बेहद गलत है। - जयवीर सिंह घर में छोटे बच्चे हैं, पानी और बिजली दोनों नहीं थे। गर्मी में हालात बेहद खराब हो गए। हेल्पलाइन पर सिर्फ बहाने मिले, लेकिन कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया। - शुभम वर्मा ऑनलाइन काम पूरी तरह ठप हो गया। मोबाइल और लैपटॉप बंद हो गए। सात घंटे तक बिजली न होना आर्थिक नुकसान है। निगम को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। - संतोष बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई बाधित हो गई। इनवर्टर भी जवाब दे गया। बार-बार फोन करने पर भी सही जानकारी नहीं मिली, जिससे और ज्यादा परेशानी हुई। - रजनीश त्यागी मेंटिनेंस के नाम पर मनमानी हो रही है। न समय बताया जाता है, न सूचना दी जाती है। अधिकारी फोन तक नहीं उठाते, आम जनता आखिर जाए तो जाए कहां। - लक्ष्मी

संक्षिप्त समाचार

दहेज की मांग पर विवाहिता को घर से निकाला, ससुर पर छेड़खानी का आरोप

रामपुर। दहेज में नकदी और बाइक की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति, ससुर, सास, ननद और ननदोई समेत छह आरोपियों पर मारपीट, उत्पीड़न और छेड़खानी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।पीड़िता के अनुसार करीब दो वर्ष पूर्व उसका विवाह मुरादाबाद जिले के बिलारी क्षेत्र निवासी युवक से हुआ था। विवाह में मायके पक्ष ने हैसियत अनुसार नकदी, जेवर, फर्नीचर व अन्य सामान दिया था, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज की मांग करता रहा। विवाहिता ने आरोप लगाया कि गर्भावस्था के दौरान मारपीट से उसका गर्भपात हो गया। वहीं घर में अकेला पाकर ससुर ने जबरन छेड़खानी का प्रयास किया। शिकायत करने पर ससुराल पक्ष ने उसे ही अपमानित किया और मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता का कहना है कि बाद में ससुराल पक्ष मायके पहुंचकर भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर चला गया। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पिज्जा सेंटर में प्रेमी युगल मिलने पर हंगामा, पुलिस पहुंची

र। रामपुर मार्ग स्थित एक पिज्जा सेंटर एवं रेस्टोरेंट में बृहस्पतिवार को प्रेमी युगल की सूचना पर आसपास के लोगों ने हंगामा कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान प्रेमी युगल एक ही समुदाय के निकले। लोगों ने समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया।रामपुर मार्ग के दुकानदारों को पिज्जा सेंटर एवं रेस्टोरेंट में संदिग्ध गतिविधियों की काफी समय से भनक थी और वे निगरानी कर रहे थे। बृहस्पतिवार दोपहर एक संदिग्ध प्रेमी युगल को सेंटर में जाते देख एक दुकानदार ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया और केबिन तक पहुंच गया, जहां प्रेमी युगल आपत्तिजनक अवस्था में बैठे मिले। इस दौरान अन्य दुकानदार भी वहां पहुंच गए।दुकानदारों ने प्रेमी युगल से नाम और पते की जानकारी मांगी, लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसी बीच कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। उधर से गुजर रहे विधायक शफीक अहमद अंसारी का काफिला भी रुक गया। उन्होंने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया, जिसके बाद प्रेमी युगल वहां से चला गया। आसपास के दुकानदारों ने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट में इस तरह की गतिविधियां होती रहती हैं और प्रशासन से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कोतवाल संजीव कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी लेकिन लोगों ने मामला स्वयं ही सुलझा लिया।

बस से सामान उतारते समय टाटा मैजिक ने मारी टक्कर, दो की मौत

शाहबाद। बिलारी रोड पर बड़ागांव के पास निजी बस से सामान उतार रहे हेल्पर और यात्रियों को पीछे से आ रहे टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। हादसे में हेल्पर रिजवान (32) और यात्री अरशद (28) की मौत हो गई, जबकि कासिम और विशाल घायल हो गए। टाटा मैजिक चालक वसीम भी गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार मुरादाबाद में चल रहा है।जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह करीब 4:30 बजे दिल्ली-सिरौली मार्ग की निजी बस बड़ागांव चौराहे पर रुकी थी। शहजादनगर क्षेत्र के ककरौआ गांव निवासी हेल्पर रिजवान बस से मित्रपुर निवासी विशाल का सामान उतार रहा था। इसी दौरान मोहल्ला कानूनगोयान निवासी अरशद और खरसोल निवासी कासिम भी बस से उतर आए। तभी बिलारी की ओर से आए टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी।हादसे में रिजवान, अरशद, कासिम, विशाल और चालक वसीम समेत पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रिजवान और अरशद को मृत घोषित कर दिया। घायल विशाल और कासिम को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि चालक वसीम को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।
पुलिस के अनुसार चालक वाहन में फंस गया था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। हादसे में मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। कोतवाल प्रदीप कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कम लागत में अधिक उत्पादन का मंत्र: पेड़ी गन्ना फसल पर गन्ना विभाग की नई पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- पीलीभीत। जनपद के गन्ना किसानों के लिए अच्छी खबर है। गन्ना विकास विभाग ने पेड़ी (रैटून) गन्ना फसल के वैज्ञानिक प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। विभाग का दावा है कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने बताया कि पीलीभीत में लगभग 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में पेड़ी गन्ने की खेती की जाती है। यदि इस फसल का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाए तो यह किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

उन्होंने कहा कि गन्ना कटाई के तुरंत बाद स्टबल शेविंग कर खेत को समतल करना जरूरी है, जिससे नई कोंपलों का समान विकास हो सके। ट्रैश मल्चिंग

अपनाने से मिट्टी की नमी संरक्षित रहती है और सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है।

किसानों की सुविधा के लिए आरएमडी, ट्रैश मल्चर व अन्य कृषि यंत्र गन्ना समितियों-पीलीभीत, मझोला, बीसलपुर व पूरनपुर-में उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें किसान किराये पर ले सकते हैं।

उर्वरक प्रबंधन के तहत प्रति हेक्टेयर 150-180 किलोग्राम नाइट्रोजन (लगभग 325-390 किग्रा यूरिया) को 2-3 बार में देने की सलाह दी गई है। साथ ही 60-80 किग्रा फास्फोरस और पोटाश का संतुलित उपयोग फसल को मजबूत बनाता है। 8-10 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद या कम्पोस्ट का प्रयोग मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में सहायक है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वाले क्षेत्रों में 25 किग्रा जिंक सल्फेट तथा एजोटोबैक्टर और पीएसबी जैसे जैव उर्वरकों के उपयोग की भी सिफारिश की गई है।विभाग के अनुसार गैप फिलिंग, समय पर सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण और मिट्टी चढ़ाने जैसे कार्यों को अपनाने से उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

गन्ना विभाग ने सभी किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाएं और अधिक जानकारी के लिए विभागीय अधिकारियों या संबंधित चीनी मिलों से संपर्क करें।

फिक्स दुकानों से सामान खरीदने की मजबूरी, अभिभावकों में आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- पीलीभीत जनपद में निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली को लेकर अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि कई स्कूल प्रबंधन द्वारा यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, बैग, किताबें और कॉपियां खरीदने के लिए कुछ तय दुकानों को अनिवार्य कर दिया गया है, जहां से ही सामान खरीदने का दबाव बनाया जाता है।

अभिभावकों का कहना है कि इन दुकानों पर वही सामान बाजार की तुलना में 30 से 100 प्रतिशत तक महंगे दामों पर बेचा जा रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। महंगाई के दौर में यह स्थिति मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि स्कूल प्रबंधन और दुकानदारों के बीच

मिलीभगत से कमीशन का खेल चल रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कई अभिभावक इस व्यवस्था को गलत मानते हुए भी खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों के साथ भेदभाव या पढ़ाई प्रभावित होने के डर से वे चुप रहने को मजबूर हैं।शिक्षा से जुड़े नियमों के अनुसार, किसी भी स्कूल द्वारा अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से खरीदारी के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, लेकिन जमीनी स्तर पर इन नियमों का पालन नहीं हो रहा है। प्रशासन का कहना है कि यदि इस संबंध में लिखित शिकायत प्राप्त होती है, तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या शिक्षा के नाम पर हो रही इस व्यवस्था पर समय रहते रोक लगाई जाएगी या अभिभावकों को इसी तरह अतिरिक्त बोझ झेलना पड़ेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पैसे देने के बाद भी नहीं लगे उपभोक्ताओं के मीटर, नाराज हुए मुख्य अभियंता

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गर्मी की शुरुआत हो गई है, लेकिन विभाग की लापरवाही की वजह से कनेक्शन का पैसा जमा करने के बाद भी उपभोक्ताओं के घर मीटर नहीं लगे है। शहरी क्षेत्र में झटपट पोर्टल पर भी काफी संख्या में कनेक्शन लंबित हैं। समीक्षा बैठक में मामला सामने आने के बाद मुख्य अभियंता ने नाराजगी जताते हुए लंबित कनेक्शन पर रिपोर्ट लगाकर जल्द मीटर लगाने के निर्देश दिए।

बरेली जोन प्रथम के मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग पर समीक्षा बैठक की। सामने आया कि शहरी क्षेत्र में झटपट पोर्टल पर 88 कनेक्शन लंबित हैं जिन पर आवेदन करने के बाद रिपोर्ट नहीं लगाई गई है। मुख्य अभियंता ने जल्द रिपोर्ट लगाकर कनेक्शन देने के निर्देश दिए। इसके अलावा समीक्षा में सामने आया कि शहरी क्षेत्र में कनेक्शन पर रिपोर्ट लगने के बाद 46 मीटर नहीं लगने से उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल पा रही है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी 133 कनेक्शन पर मीटर नहीं लगा है। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के एक्सईन को फटकार लगाकर कहा कि पैसा जमा करने के बाद भी उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही ये आपत्तिजनक है। एक सप्ताह में सभी लंबित आवेदन दूर किए जाएं।

शराब कारोबारी मनोज जायसवाल की संपति कुर्क , गैंग लीडर प्रणय अनेजा पर भी शिकंजा कसने की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। चर्चित शराब कारोबारी रहे मनोज जायसवाल की संपत्ति सहारनपुर व बरेली पुलिस-प्रशासन ने कुर्क कर दी। इससे पहले गैंग लीडर नामी कारोबारी प्रणय अनेजा समेत गिरोह के सदस्य मनोज जायसवाल ने गिरफ्तारी पर स्टे

ले रखा है। नायब तहसीलदार रिठौरा विदित कुमार और बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मनोज जायसवाल, उसके भाई नीरज जायसवाल आदि की संपत्तियों की कुर्की शुरू की। मूल आदेश सहारनपुर जिला प्रशासन का है। इसमें वहां की टपरी डिस्टिलरी के मामले में दर्ज आपराधिक व गैंगस्टर मुकदमों का जिक्र है। गिरोह का लीडर प्रणय अनेजा को बनाया गया है, जो बदायूं के सपा विधायक रहे स्व. जोगेंद्र सिंह अनेजा का पौत्र है और फिलहाल दिल्ली में रह रहा है। प्रणय अनेजा के परिवार के पास बरेली, बदायूं से लेकर दिल्ली तक बेशुमार संपत्ति है। पहले यह परिवार मुख्य रूप से पौंटी चड्ढा ग्रुप के साथ शराब का कारोबार करता था। अब रियल एस्टेट समेत कई अन्य कारोबारों में उतर आया है। माना जा रहा है कि जल्द ही प्रणय अनेजा की संपत्तियां भी सील होंगी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त विजली योजना की बैठक गांधी सभागार में हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास की अध्यक्षता में आज दिनांक 02 अप्रैल, 2026 को पी.एम.सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में अधिशासी अभियन्ता विद्युत (नोडल), अग्रणी बैंक प्रबन्धक, परियोजना अधिकारी नेडा आदि अधिकारियों के साथ यूपीनेडा के इम्पैनेल्डवेण्डर्स द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में परियोजना अधिकारी नेडा द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2025-26 तक कुल 1,764 घरों पर सोलर रूफटॉप पावर प्लाण्ट लगाने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 4,917 घरों पर सोलर रूफटॉप पावर प्लाण्ट स्थापित किया जा चुका है तथा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अब तक 4,282 उपभोक्ताओं को अनुदान अवमुक्त किया जा चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वेण्डर्स की समस्याऐं सुनी गयी, समस्याओं में मुख्य रूप से वेण्डर्स द्वारा बैंक लोनिंग में आ रही समस्याओं से संज्ञानित कराया गया, बैंक द्वारा लोनिंग में पर्याप्त सहयोग नही किया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से पंजाब नेशनल बैंक बीसलपुर, इण्डियन बैंक पीलीभीत, बैंक ऑफ बडौदा पीलीभीत द्वारा सहयोग न करने एवं अलग-अलग शाखाओं द्वारा पृथक-पृथक आधार पर लोन स्वीकृत करने में विलम्ब किया जाने से अवगत कराया गया। अन्त मे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित लीड बैंक मैनेजर/जिला समन्वयक को निर्देशित किया गया, कि समस्त बैकों को योजनान्तर्गत ऋण उपलब्ध कराये जाने हतु निर्देशित करें एवं समय सीमा निर्धारित करें तथा आज के परिवेश में अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत के महत्व को समस्त को संज्ञानित कराते हुये प्रत्येक स्थिति में कार्य को तीव्रगति प्रदान करने हुते समस्त को निर्देशित किया गया। बैठक के अन्त में परियोजना अधिकारी नेडा द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुये मुख्य विकास अधिकारी की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

54वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप ,हिमाचल की टीम ने यूपी को हराया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। फ्यूचर यूनिवर्सिटी परिसर में जिला ओलंपिक संघ और नेशनल हैंडबॉल संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 54वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का आज भव्य समापन हो गया। पांच दिनों तक चले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देशभर से आई टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के बीच

बेहद रोमांचक रहा।फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत से ही मुकाबला तेज़ और संघर्षपूर्ण रहा, जहां दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। हालांकि, अंत में हिमाचल प्रदेश की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 17 गोल किए, जबकि उत्तर प्रदेश की टीम 12 गोल ही कर सकी। इस तरह हिमाचल प्रदेश ने 5 गोल के अंतर से मुकाबला जीतकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार और अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार मौजूद रहीं। उन्होंने विजेता टीम हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही उपविजेता टीम उत्तर प्रदेश की खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए अतिथियों ने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और खेलों को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। समापन समारोह में खेल प्रेमियों और दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और जोश का माहौल बना रहा, जिससे बरेली एक बार फिर खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा।

ब्लड डिसऑर्डर को नजरअंदाज न करें समय पर इलाज जरूरी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट से मिल सकती है नई जिंदगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली- ब्लड डिसऑर्डर यानी रक्त से जुड़ी बीमारियां उन स्थितियों का समूह हैं, जिनमें शरीर की ब्लड सेल्स को बनाने, नियंत्रित करने या सही तरीके से उपयोग करने की क्षमता प्रभावित होती है। ये बीमारियां हल्की से लेकर गंभीर और जानलेवा तक हो सकती हैं। अच्छी बात यह है कि आज के समय में बढ़ती जागरूकता, बेहतर जांच तकनीकों और एडवांस ट्रीटमेंट के कारण ज्यादातर ब्लड डिसऑर्डर का सफल इलाज संभव है और कई मामलों में इन्हें पूरी तरह ठीक भी किया जा सकता है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर के क्लिनिकल हीमेटोलॉजी, हीमेटो ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया ब्लड डिसऑर्डर को अलग-अलग प्रकारों में समझा जा सकता है। रेड ब्लड सेल से जुड़ी समस्याओं में आयरन-डेफिशिएंसी एनीमिया, थैलेसीमिया और सिकल सेल डिजीज शामिल हैं। एनीमिया में थकान, सांस फूलना, चक्कर

आना और त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, जबकि थैलेसीमिया और सिकल सेल जैसे जेनेटिक रोगों में लंबे समय तक देखभाल की जरूरत होती है और कई मामलों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक क्योर का विकल्प बन सकता है। इन बीमारियों के लक्षणों को समझना और समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है। ब्लड टेस्ट, बोन मैरो स्टडी और जेनेटिक स्क्रीनिंग के जरिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर इलाज शुरू किया जा सकता है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं। बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) या हेमाटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट तब किया जाता है, जब बोन मैरो स्वस्थ और कार्यशील ब्लड सेल्स बनाने में असमर्थ हो जाता है। यह स्थिति हाई-रिस्क या बार-बार होने वाले ल्यूकेमिया, एप्लास्टिक एनीमिया, फैनकोनी एनीमिया, थैलेसीमिया मेजर, सिकल सेल डिजीज, गंभीर इम्यून-डेफिशिएंसी और स्ब्ष्ह्स जैसी बीमारियों में देखी जाती है। डॉ. प्रदीप ने आगे बताया आधुनिक तकनीकों, बेहतर इंफेक्शन कंट्रोल और पोस्ट-ट्रांसप्लांट मॉनिटरिंग के कारण ब्ड्ढ्ढ की सफलता दर में काफी सुधार हुआ है। खासतौर पर बच्चों और युवाओं में, अगर समय पर इलाज शुरू किया जाए, तो पूरी तरह ठीक होने की संभावना काफी अधिक होती है। ब्लड डिसऑर्डर और BMT को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं। अक्सर लोग मानते हैं कि ये बीमारियां बहुत दुर्लभ होती हैं, जबकि हकीकत यह है कि ये अपेक्षा से कहीं ज्यादा आम हैं और कई बार लंबे समय तक पहचान में नहीं आतीं। यग्नोस्टिक्स जैसी तकनीकों ने ब्लड कैंसर के इलाज को पूरी तरह बदल दिया है।

हिंदी रंगमंच दिवस पर सजेगा रंगकर्म गौरव सम्मान समारोह 2026

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। कला, साहित्य एवं भारतीय संस्कृति को समर्पित संस्था यूथ वेलफेयर सोसायटी द्वारा हिंदी रंगमंच दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नावेल्टी चौराहा स्थित उपजा प्रेस क्लब में किया गया।

बैठक में आगामी रविवार, 05 अप्रैल 2026 को रंगकर्म गौरव सम्मान समारोह 2026 आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह भव्य समारोह चौपला चौराहा स्थित रोटरी भवन प्रांगण में दोपहर 03ः00 बजे से सांय 06ः00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष गोविंद सैनी ने बताया कि हिंदी रंगमंच को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह आयोजन एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल कलाकारों को सम्मान देते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को भी रंगमंच से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम संयोजक पवन कालरा ने जानकारी दी कि इस समारोह में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के उन रंगकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर बरेली का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक उमेश प्रजापति, मोहम्मद नवी, नाहिद बेग, अमित आनंद, रतन श्रीवास्तव सहित महिला प्रकोष्ठ की शालू सैनी, हरजीत कौर, जैनब फातिमा, पूजा कालरा, सीमा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन रवि प्रकाश सक्सेना ने किया। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्यमी पवन सक्सेना ने आगामी समारोह की सफलता के लिए संस्था परिवार एवं सभी कलाकारों को अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जानलेवा लापरवाही के कारण पूरे इलाके में किसी बड़े हादसे की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद – कायमगंज मार्ग पर हाल ही में बिछाई गई नई 33 केवी (चङ्क) बिजली लाइन के निर्माण में सुरक्षा मानकों की अनदेखी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां पोल कम पड़ने पर ठेकेदार ने जुगाड़ का सहारा लेते हुए हाई-वोल्टेज इंसुलेटर को एक बड़े पेड़ की टहनियों के बीच ही फंसा दिया। इस जानलेवा लापरवाही के कारण पूरे इलाके में किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। नियमों की उड़ी धज्जियां- विभागीय जानकारी के अनुसार, लगभग तीन माह पूर्व इस लाइन का निर्माण कार्य किया गया था। %राइट ऑफ वे% (Right of Way) नियमों के तहत बिजली की लाइन बिछाते समय यह अनिवार्य होता है कि तारों के आसपास के पेड़ों की उचित छंटाई की जाए, ताकि तार किसी भी स्थिति में पेड़ों के संपर्क में न आएं। लेकिन ठेकेदार द्वारा इस महत्वपूर्ण नियम को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। हादसे का बना हुआ है डर- इस तरह पेड़ के बीच से हाई-वोल्टेज तार गुजारने के कारण बारिश या नमी वाले मौसम में गीली लकड़ी के जरिए पूरे पेड़ में करंट उतरने का सीधा खतरा है। इससे आग लगने की घटना हो सकती है या किसी राहगीर और बेजुबान पशु के करंट की चपेट में आने से जान जा सकती है। इसके अतिरिक्त, हवा चलने पर टहनियों के तारों से घर्षण के कारण लाइन में बार-बार फॉल्ट होने की समस्या भी बनी रहती है। गुरुवार को हुआ बड़ा फॉल्ट, घंटों गुल रही बत्ती- ठेकेदार की इस लापरवाही का खामियाजा गुरुवार को स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ा। सड़क चौड़ीकरण के काम के दौरान इसी लाइन पर एक भारी टहनी टूटकर गिर गई। इसके परिणामस्वरूप पूरे कायमगंज कस्बे की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। घंटों तक बिजली गुल रहने से स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों का पक्ष और जनता की मांग- इस फॉल्ट के संबंध में जूनियर इंजीनियर (जेई) जावेद आलम ने बताया कि पेड़ की शाखा टूटने की वजह से लाइन में खराबी आई थी। सूचना मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कर कुछ ही घंटों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। हालांकि, इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। उनका सीधा आरोप है कि नई लाइन बिछाने के कार्य में गुणवत्ता मानकों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया है और कस्बे में कई अन्य स्थानों पर भी ऐसी ही असुरक्षित स्थितियां हैं। स्थानीय लोगों ने अब विभागीय उच्चाधिकारियों से इस पूरी परियोजना की गहन जांच कराने की मांग की है। साथ ही अपील की है कि तत्काल पेड़ों की छंटाई कराई जाए और मानकों की अनदेखी कर लोगों की जान जोखिम में डालने वाले ठेकेदार के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

नवाबगंज में सनसनी: लापता 14 वर्षीय किशोरी का काली नदी किनारे बोरे में मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद – नवाबगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों लापता हुई एक 14 वर्षीय किशोरी का शव काली नदी के पास एक बोरी में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में दुख और शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की सघन जांच शुरू कर दी है। 28-29 मार्च की रात से लापता थी किशोरी- ग्राम सिरौली निवासी परिजनों ने 30 मार्च को पुलिस को किशोरी के अचानक लापता होने की सूचना दी थी। परिजनों के अनुसार, 28 और 29 मार्च की दरम्यानी रात घर के सभी सदस्य संदिग्ध रूप से अचेत हो गए थे। अगली सुबह जब उन्हें होश आया, तो बच्ची घर पर मौजूद नहीं थी। इसके अलावा, घर में रखे कुछ आभूषण और नकदी भी गायब पाए गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। काली नदी के किनारे संदिग्ध बोरी में मिला शव- तलाश और जांच के दौरान पुलिस टीम को छिबरामऊ मार्ग स्थित काली नदी के किनारे, ग्राम कुम्हौली के अंत्येष्टि स्थल के पास एक संदिग्ध बोरी दिखाई दी। बोरी को खोलने पर उसमें से लापता किशोरी का शव बरामद हुआ। यह शव नदी से लगभग 20 मीटर की दूरी पर पाया गया। घटना की खबर फैलते ही मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर- शव मिलने की सूचना मिलते ही एसपी अरुण कुमार, कायमगंज के क्षेत्राधिकारी राकेश द्विवेदी, नवाबगंज थाना प्रभारी राजीव कुमार और मोहम्मदाबाद के थाना प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के सभी बिंदुओं (हत्या, लूट और अन्य पहलुओं) पर गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तय करेगी आगे की कार्रवाई- पुलिस ने किशोरी के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सटीक कारण स्पष्ट हो सकेगा और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की दिशा तय की जाएगी। गांव और परिवार में पसरा मातम- सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे मृतका के माता-पिता का अपनी बेटी का शव देखकर रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि मृतका तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे परिवार और गांव में गहरा शोक व्याप्त है।

जानलेवा लापरवाही के कारण पूरे इलाके में किसी बड़े हादसे की आशंका सनसनीखेज हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद – फर्रुखाबाद। जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की सनसनीखेज हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार रात हुई इस क्रॉस फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है। वहीं, इस कार्रवाई के दौरान एक सिपाही भी घायल हुआ है। दोनों घायलों को तुरंत उपचार के लिए सीएचसी नवाबगंज में भर्ती कराया गया, जहां से आरोपी को बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है। क्या था पूरा मामला? यह पूरी घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र से जुड़ी है। बीते 28 मार्च की रात एक नाबालिग लड़की को आरोपी बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मृतका के पिता ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिसिया पूछताछ में यह दर्दनाक बात सामने आई कि आरोपियों ने नाबालिग की हत्या कर उसका शव फेंक दिया है। इस खुलासे के बाद गुरुवार को पुलिस ने काली नदी के पास से पीड़िता का शव बरामद किया था। घेराबंदी के दौरान हुई फायरिंग- अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार रात पुलिस टीमें वांछित अभियुक्त विवेक पाल की सरगर्मी से तलाश कर रही थीं। इसी बीच सूचना मिली कि अभियुक्त ग्राम राजा रामपुर के पास से भागने का प्रयास कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर ली। खुद को पुलिस से घिरा पाकर अभियुक्त ने बचने के लिए पुलिस टीम पर सीधे फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी और आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मुठभेड़ में कांस्टेबल अरविंद भी घायल हुए हैं। हथियार और वाहन बरामद- गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित चीजें बरामद की हैं- घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल 315 बोर का एक तमंचा दो जिंदा कारतूस दो खोखा कारतूस फिलहाल दोनों घायलों का इलाज जारी है और पुलिस इस जघन्य हत्याकांड में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद – फर्रुखाबाद (बढ़पुर)। जिले के पखना रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन से पानी पीने के लिए उतरा एक 28 वर्षीय युवक वापस ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर गिर गया। ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे गंभीर हालत में डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शादी का कार्ड देकर लौट रहा था युवक- प्राप्त जानकारी के अनुसार, मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला हाता मित्तु खां निवासी राकेश का 28 वर्षीय पुत्र विकास अपनी बहन की शादी का कार्ड बांटने के लिए फिरोजाबाद गया हुआ था। विकास की बहन की शादी आगामी 20 अप्रैल को होनी तय है। गुरुवार रात को वह पैसेंजर ट्रेन से वापस अपने घर लौट रहा था। पखना स्टेशन पर हुआ हादसा- घायल विकास ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि रास्ते में पखना स्टेशन पर जब पैसेंजर ट्रेन रुकी, तो वह पानी पीने के लिए नीचे उतरा था। इसी दौरान ट्रेन अचानक तेजी से चलने लगी। जब उसने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, तो उसका पैर फिसल कर फंस गया और वह नीचे गिर गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने बुलाई एंबुलेंस- हादसे के तुरंत बाद स्टेशन पर मौजूद स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी और उसकी मदद से रात लगभग 9 बजे युवक को फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुँचाया। ड्यूटी पर तैनात डॉ. उदय राज ने बताया कि युवक को ट्रेन से कटे हुए अंगों की गंभीर चोटों के साथ अस्पताल लाया गया था। फिलहाल, डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे भर्ती कर लिया है और उसका सघन इलाज शुरू कर दिया गया है। परिवार में शादी की तैयारियों के बीच इस अचानक हुए हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

10 माह की नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद – फर्रुखाबाद जनपद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। कादरी गेट थाना क्षेत्र क` लकूला इलाके में एक 26 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके वाले मौके पर पहुंचे और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना व हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। 10 महीने पहले हुई थी शादी- प्राप्त जानकारी के अनुसार, लकूला निवासी अजय कुमार की शादी करीब 10 माह पूर्व उन्नाव जनपद की रहने वाली क्रांति के साथ संपन्न हुई थी। पेशे से मजदूर अजय कुमार ही अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार को अजय कुमार अपनी पत्नी क्रांति को अत्यंत गंभीर हालत में लेकर लोहिया अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल में परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने क्रांति को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। पिता का आरोप- %गले पर निशान हैं, बेटी की हत्या की गई%- मृतका के पिता कृष्ण कुमार ने पुलिस और मीडिया को बताया कि उन्होंने 10 महीने पहले अपनी हैसियत के मुताबिक दान-दहेज देकर बेटी की शादी की थी। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह उनके दामाद अजय ने उन्हें फोन कर सूचना दी थी कि क्रांति के पेट में तेज दर्द है और उसकी हालत खराब है। जब वे लोग घबराकर अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें बेटी की मौत की मनहूस खबर मिली। कृष्ण कुमार ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी के गले पर संदिग्ध निशान मौजूद हैं। उन्हें पूरा अंदेशा है कि क्रांति की हत्या की गई है और उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज- मायके पक्ष के हंगामे और आरोपों के बाद पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो सकेगी कि यह हत्या है या कुछ और। फिलहाल पुलिस परिवार वालों के बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

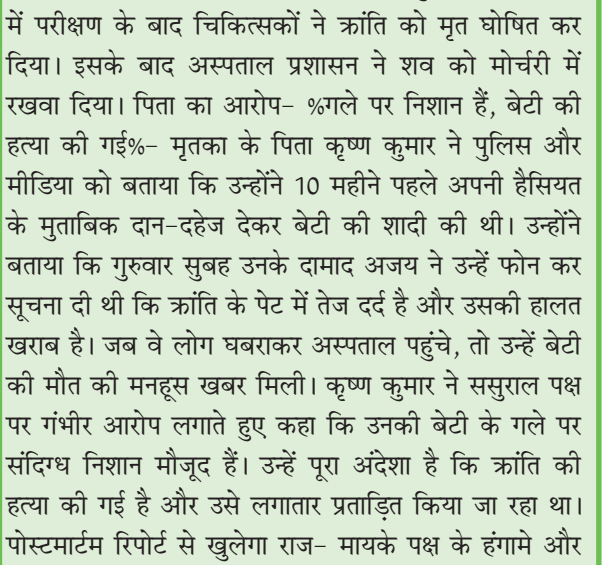

नैनी में 70 वर्षीय वृद्ध चौकीदार की निर्मम हत्या, चारपाई पर मिला खून से लथपथ शव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / प्रयागराज थाना नैनी क्षेत्र के धनुहा में 70 वर्षीय वृद्ध की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। सुबह जब वृद्ध सोकर नहीं उठा तो मृतक का बड़ा बेटा उसे जगाने के लिए पहुंचा। जहां उसके चारपाई पर पड़ी थी। घटना गया। बेटे ने डायल 112 को की फोर्स, एसीपी करछना भी मौके पर पहुंच गई। जांच ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारी लाल भारतीय 70 पूरी घटना की जांच कर रही हजारीलाल 70 वर्ष के पांच बेटे मजदूरी का काम करते घर से 50 मीटर दूर ठकुरी का पुरवा निवासी राजबहादुर निषाद ठेकेदार के बालू और गिट्टी की चौकीदारी करते थे। हजारी लाल पिछले 1 साल से यह काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वह रोज भोर में करीब पांच बजे सोकर उठ जाते थे। शुक्रवार की भोर में वह सोकर नहीं उठे। इसके बाद उनका बड़ा बेटा गंगा भारतीय उन्हें जागने के लिए पहुंच गया। उस दौरान उसने देखा कि उसके पिता की लाश खून से लतपथ चारपाई पर पड़ी थी। उनके सीने और चेहरे के साथ आंख पर किसी लोहे की वस्तु से वार किया गया था। घटनास्थल पर काफी भीड़ जुड़ गई। पुलिस ने भीड़ को संभाला और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज गया पिता की लाश खून से सनी के बाद परिवार में कोहरा मच दी गई। इसके बाद नैनी थाने सहित डॉग स्क्वायड की टीम पड़ताल चलती रही। पुलिस भेज दिया। मृतक की पहचान वर्षीय के रूप में हुई है। पुलिस है। नैनी के धनुहा के रहने वाले बेटे और दो बेटियां हैं। पांचों हैं, जबकि हजारी लाल खुद

मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार हमराही अभिषेक पाल ने कई लोगों को शांति व्यवस्था भंग करने में पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोतवाली के मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार और हमराही सिपाही अभिषेक सिंह पाल क्षेत्र में गस्त कर रहे थे तभी ग्राम कुंवरपुरा में पहुंचे जहां गांव में सर्किस को लेकर दो पक्ष के लोग आपस में लड़ाई झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग कर रहे थे पुलिस ने दोनों पक्षों को काफी समझाने का प्रयास किया तो दोनों पक्ष के लोग ओर भी

उत्तेजित होकर गाली गलौज कर मारपीट करने पर उतारू हो गया इसके बाद भी पुलिस ने दोनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं हुए आखिर पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है पकड़े गये प्रथम पक्ष के दीपक बरार पुत्र श्याम लाल विजय बरार पुत्र श्याम बाबू और राजकुमार बरार पुत्र श्याम लाल निवासी गण ग्राम कुंवर पूरा वहीं दूसरे पक्ष के राजकुमार पुत्र लाला राम प्रदीप पुत्र डब्ल्यू और जयप्रकाश पुत्र लालाराम निवासी गण ग्राम कुवरपुरा थाना कोंच है पुलिस ने सभी को धारा 170/ 126/ 135 बीएनएस में दर्ज कर चालानी रिपोर्ट एसडीएम के कोर्ट में भेज दी है

मिशन शक्ति-5 : जागरूकता की अलख से सशक्त हो रही नारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपद श्रावस्ती में महिलाओं एवं बालिकाओं

की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं साइबर सशक्तिकरण को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। चौपाल एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित समाधान हेतु प्रेरित किया गया तथा उन्हें शक्ति दीदी के रूप में को बढ़ावा देने हेतु सघन जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता एवं सुरक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। इसी क्रम में थाना कोतवाली भिनगा, सिरसिया, मल्हीपुर, हरदत्तनगर गिरंट, सोनवा, गिलौला, इकौना, नवीन मॉडर्न, महिला थाना एवं शक्ति मोबाइल टीम% द्वारा विद्यालयों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं निर्भीक होकर अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साइबर सुरक्षा के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी प्रोफाइल एवं डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने एवं किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना देने हेतु जागरूक किया गया।

बैराड थाना पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुये 02 कैनों में हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब 80 लीटर कीमती 16000 रुपये को जप्त कर आरोपी तरूण धाकड़ को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया।

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिह

राठौड़ द्वारा अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध जीरो टोलरेंस अपनाने के निर्देश दिये गये हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले व एसडीओपी पोहरी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में दिनांक 02.04.2026 को शाम को थाना बैराड पुलिस को जरिये मुखविर सूचना प्राप्त हुई कि बरोद रोड पुलिया के पास एक व्यक्ति अबैध कच्ची शराब परिवहन करने की नियत से किसी वाहन के आने के इंतजार में बैठा है, जिसके पास 02 कैनों में हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब भरी हुई है। मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु मय फोर्स के मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे तो एक व्यक्ति मुखबिर के बताये हुलिया के दिखा जो अपने पास में दो प्लास्टिक की नीले केने रखे था जिनको घेर कर पकडा एवं जिनका नाम पता पूँछा तो उसने अपना नाम तरूण पुत्र राजाराम धाकड उम्र 24 साल निवासी ग्राम बरोद थाना बैराड का होना बताया। एवं पास में रखी केनों के संबंध मे पूँछा तो उनमें हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब का होना बताया। आरोपी के कब्जे से 02 प्लास्टिक की केनों में हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब 80 लीटर कीमती 16000 रुपये की जप्त की गई एवं आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से जेल भेजा गया। सराहनीय कार्यवाही = निरी. सुरेश शर्मा, प्र आर 947 इकबाल अहमद, आर 817 रविन्द्र धाकड, आर. 116 संदीप राठौर, आर 660 लोकेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने स्थानांतरित एसपी दुर्गेश कुमार विदाई दी

क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच(जालौन) जनपद जालौन के एसपी डा दुर्गेश कुमार का शासन द्वारा स्थानान्तरण अयोध्या कर दिया है इसी को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उरई पहुंचकर स्थानांतरित एसपी डा दुर्गेश कुमार का माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर उनके अच्छे कार्यकाल की प्रशंसा कर सराहना की इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष देवेंद्र अग्रवाल सोनू ने कहा कि पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार ने जब से जनपद की बागडोर संभाली जिले में कानून व्यवस्था अच्छी रही साथ ही पुलिस की सक्रियता के चलते अपराधों में अंकुश लगा रहा पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार का कार्यकाल काफी बढ़िया रहा उनके कार्यकाल में अपराधियों बदमाशों पर नकेल कसी रही और अपराधिक घटनाओं भी नहीं हुई है इस दौरान प्रभंजन अग्रवाल रामू अग्रवाल संदीप अग्रवाल बल्लम अग्रवाल सपना अग्रवाल सहित कई व्यापार मंडल से जुड़े लोग मौजूद रहे

गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग, दर्जनों बीघा फसल जलकर राख

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीसीर के मजरा बेगमपुर में अचानक गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे दर्जनों बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने में जुट गई। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम ने भी तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। फायर ब्रिगेड के लीडिंग फायरमैन अरविंद सिंह, फायरमैन सर्वेश कुमार, राजकुमार पटेल और संजय ने फायर टेंडर की मदद से हाई प्रेशर पंपिंग कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों के अनुसार, अगर समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो नुकसान और भी ज्यादा हो सकता था। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

निवर्तमान जिला अध्यक्ष अजय चौधरी के नेतृत्व में उमडा किसानों का जन सैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार यादव/ श्रावस्ती भारतीय किसान यूनियन किडनी वर्तमान जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में किसान कार्यालय रत्नापुर समस्याओं के समाधान हेतु किसानों ने भरी हुंकार एकजुट होकर अपनी समस्याओं और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद की पंचायत के दौरान किसानों के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई पंचायत के मुख्य मुद्दे और मांगे अजय चौधरी ने पंचायत को संबोधित करते हुए प्रमुख रूप से निम्नलिखित मांगों को सरकार और प्रशासन के समक्ष रखा गन्ने का बकाया भुगतान बिजली की समस्या हमारा पशुओं का आतंक खाद एवं बीज की उपलब्धता बंदरों का आतंक जनपद के सभी तहसीलों में हदबरारी के आदेश का समयबद्ध तरीके से कर्मवर निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु सत्य निर्देश जारी किए जाएं इसी प्रकार आठ बिंदुओं का ज्ञापन बुधवार रहा पंचायत के अंत में अजय चौधरी के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अधिकारी के माध्यम से शासन को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौप पंचायत में यह संकल्प लिया गया कि यदि 15 दिन के भीतर इन समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो जनपद स्तर पर बड़ा आंदोलन खेड़ा जाएगा इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित किसान नेता समाजसेवी एवं हजारों की संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आप लोगो की समस्या का समाधान होगा

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

गोशाला में सोलह सो कुंतल फ्रेस आलू गायों को खिलाने पहुंचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच(जालौन) कोंच(जालौन) नगर के एक अच्छे समाज सेवी सुरेश नारायण गुप्ता बाबूजी बड़ा मील वाले जो आज के दौर में सच्ची समाजसेवा कर रहे है वह अपने निजी खर्चे से बड़ा

मील में सैकड़ों बंदरों को प्रतिदिन फल सब्जी आदि खिलाते रहते है साथ ही नगर की दो बड़ी गोशाला जिसने कान्हा गोशाला है और नंदी गोशाला है जिसमें वह प्रतिदिन अपनी निजी खर्चे से सब्जी मंडी से सुबह जाकर वहां इन बेजुबान जानवरों के लिये उनके खाने का इंतजाम करते है प्रतिदिन इस बड़े पुण्य का कार्य में वह काफी समय से लगे है फ्रेस है सब्जी तो कभी आलू भेजने का काम करते है आज बाबू जी ने सोलह कुंतल फ्रेस आलू दोनों गोशाला में भेजा है इस अवसर पर जब उनसे यह पूछा गया कि इस कार्य में आपको क्या लगता है तो उन्होंने हंसकर कहा कि इन बेजुबान जानवरों को खाना खिलाने से मेरा मन काफी खुशी से भर जाता है मन में काफी चैन मिलता है उन्होंने कहा कि गायों को खाना खिलाना भी बहुत बड़ा पुण्य है लोगो को गायों की सेवा करना चाहिए उन्होंने यह भी कहा कि वह कोई इस तरह कार्य का कोई दिखावा नहीं करते है बल्कि सही कार्य में विश्वास रखते है न उन्हें फोटो खिंचवाने का शौक है न फोटो छपवाने का

गैस सिलेंडर पाइप रिसीव से लगी आग, परिवार गंभीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती - विकासखंड जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत बालापुर के मजरा अमरहवा में गैस चूल्हा जलाते समय सिलेंडर के पाइप से गैस रिसाव होने से आग लग गई आग की चपेट में आकर मूक बधिर पिता समेत बेटा व बेटी गंभीर रूप से झुलस गए प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरहवा गांव निवासी गुलअफजा पुत्री शकील खाना बनाने के लिए गैस चूल्हा जलाने लगी सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण अचानक आग लग गई देखते ही देखते आग पूरे कमरे में फैल गई आग की लपटो से मूक बधिर गुलअफजा पिता शकील व भाई कल्लू गंभीर रूप से झुलस गये स्थानीय लोगों ने पास के पेट्रोल पंप से अग्निशमन यंत्र लाकर आग पर काबू पाया अग्निकांड से कमरे में रखा गृहस्थी का सारा सामान भी जलकर नष्ट हो गया और घायलों को मेडिकल कॉलेज बहराइच से ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है

शहीद फौजी की पत्नी अपनी ही खरीदी हुई जमीन पर कब्जे के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद - मोहम्मदाबाद क्षेत्र में एक शहीद फौजी की पत्नी अपनी ही खरीदी हुई जमीन पर कब्जे के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। गुरुवार को पीड़िता ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और एक बटाईदार पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। क्या है पूरा मामला?- जानकारी के अनुसार, मौजा कुरैली (लुकुटपुरा) की रहने वाली सरिता देवी एक शहीद फौजी की पत्नी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने बादशाह (पुत्र स्व. पंछीलाल) से लगभग छह बीघा कृषि भूमि खरीदी थी। इस जमीन का पूरी तरह से वैध और रजिस्टर्ड बैनामा भी उनके पास मौजूद है। सरिता का आरोप है कि इस खेत पर पहले से काम कर रहा एक बटाईदार अब जमीन खाली करने को तैयार नहीं है। बटाईदार किसी पुराने लेनदेन का हवाला देते हुए खेत पर कब्जा जमाए बैठा है। पुलिस से नहीं मिला समाधान- पीड़िता ने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत उन्होंने सबसे पहले स्थानीय पुलिस से की थी। उन्होंने पुलिस को जमीन के कागजात भी दिखाए और अपनी परेशानी बताई, लेकिन पुलिस की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और समस्या का समाधान नहीं हो सका। डीएम ने दिया कार्रवाई का आश्वासन-स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने के बाद गुरुवार को सरिता ने फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी ने पीड़िता का आवेदन प्राप्त कर लिया है। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं और आश्वासन दिया है कि जांच के बाद नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

Has the match increased children's screen time? Adopt these 7 smart tips immediately.

It's normal for children to increase their screen time during the IPL, but it's important to limit it. Parents should set time limits, increase outdoor activities, and adopt a screen-free routine to ensure children's mental and physical development is not affected. IPL 2026 has begun. The IPL craze isn't limited to adults; children are also spending hours watching matches on their mobile phones, TVs, or tablets. However, increased screen time can impact children's health and development. Research suggests that excessive screen time can lead to sleep deprivation, attention deficit disorder, obesity, and mental health problems. It also impacts language development, social behavior, and physical activity. Enjoying the IPL is important, but children's health is even more important. By establishing proper rules and balance, you can provide children with a healthy lifestyle while providing entertainment. One of the reasons children's screen time increases during the IPL is that they watch live streaming on their mobile phones, constantly focusing on the matches and the highlights. After that, we discuss and share reels with friends. Let's explore the disadvantages of increased screen time and what parents should keep in mind so that children can enjoy the match without negatively impacting their health. Disadvantages of Excessive Screen Time: Increased screen time can lead to sleep problems. Prolonged exposure to TV or mobile phones can lead to decreased concentration and learning. Using mobile phones or watching TV while sitting reduces physical activity and can lead to obesity. Staring at a screen for extended periods can cause eye problems such as irritation, tearing, and poor vision. What should parents do to control screen time? Set a screen time limit: Limit children's daily TV or mobile use to one or two hours and enforce it. Tell them that if they want to watch the match, they cannot use their phone or TV the rest of the time. Maintain a balance between matches and activities: Instead of watching the entire match, allow children to watch only a few overs or highlights, and spend the rest of the time playing sports. Instead of watching TV for two to three hours at a stretch, focus more on physical activity. Establish screen-free time. Avoid falling asleep while watching TV. Whenever your child needs to sleep, distance yourself from the TV and mobile phone an hour before bedtime. Furthermore, keep the TV off during mealtimes. This habit is crucial for your child's sleep and health. Maintain a sleep routine. Excessive screen time disrupts sleep and impacts their growth. Therefore, establish a bedtime routine for your child and wake them up according to that routine. Screen time with the family. Instead of giving your child a mobile phone alone, ask them to watch a match with the family. This increases bonding and reduces exposure. Your child also adopts your routine. Be an example. Children learn what they see. Be an example for your child. Parents should also use screens sparingly so that they can learn from you. Involve other activities. Watching TV or matches shouldn't be the only activity for your child. Encourage them to engage in other activities, such as outdoor games, board games, and reading books.

Eating paneer can cause serious problems! Learn who should avoid it.

Paneer dishes are prepared at weddings and family functions. But did you know that eating it can be seriously harmful to health? Let us tell you who should avoid it. Paneer is a very popular and nutritious choice in Indian cuisine. The aroma and taste of paneer dishes at weddings, festivals, and other family gatherings appeal to everyone. It is rich in protein, calcium, and other nutrients that are beneficial for bones and muscles. But did you know that paneer consumption is not safe for everyone? For some, it can even be harmful to health. For example, high-fat paneer can increase the risk of heart disease, cholesterol, and stomach problems. Furthermore, people with paneer allergies may experience serious reactions. In this article, we will explore who should be cautious about eating paneer and which types of paneer are safe to consume. 1. Who can safely eat it? Cheese is a protein and calcium-rich food, making it highly beneficial for people with normal health. Cheese is useful for bone strength and muscle development. For children, it promotes growth and physical fitness. Pregnant women can also safely consume cheese, as it is a good source of protein, calcium, and vitamins. When eating, keep in mind that eating cheese in appropriate quantities provides energy, improves bone and dental health, and helps build muscle. 2. Who should avoid cheese? While cheese is beneficial, some people should avoid it. Excessive consumption of cheese can be harmful for those with high cholesterol levels. Those with gas, acidity, or digestive problems should avoid heavy and oily cheese. Cheese can cause a serious reaction in those allergic to dairy products. Keep in mind that those with the above-mentioned conditions should avoid consuming it, as it can cause stomach irritation and discomfort. If you experience any problems after eating paneer, consult a doctor immediately. So how should you consume it? First, it is beneficial to choose low-fat paneer, as it is a better option for heart and cholesterol. Keep the quantity of paneer in control; generally 50–100 grams daily is sufficient. Consumption of spicy and oily paneer dishes should be reduced to avoid stomach problems or acidity. Eating paneer in balanced quantities and the right type of paneer maintains its beneficial effects on health. However, avoid eating paneer at night, as it can cause acidity and indigestion. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.

Don't worry if you don't have your DL or RC in your pocket. Do this immediately to avoid a fine.

People often worry that they've forgotten their vehicle documents at home. There's no need to panic, as you can show all the documents to the police through an online app. All vehicle owners should know this. Often, in a hurry, we forget our vehicle documents or our wallets while leaving home. This can lead to the fear of a hefty fine if stopped by the police on the road. But in this era of Digital India, there's no need to worry. According to new government regulations, digital documents stored in DigiLocker or the mParivahan app are now fully valid. This means you don't need to carry physical documents with you at all times. If these documents are saved on your phone, you can legally avoid a fine by showing the digital copies to the police. In this article, learn how to use these apps correctly and what rights you have during a check. How to use DigiLocker? Follow these steps to digitally secure your documents. First, download the DigiLocker app from the Play Store and create your account using your Aadhaar number and OTP. Go to the 'Issued Documents' section, select 'Ministry of Road Transport', and enter your driving license or RC number to sync. These documents issued through the app are considered as valid as original documents under the IT Act. Show your virtual ID using the mParivahan app. This app allows you to create a 'virtual copy' of your vehicle and license, which can be viewed even without an internet connection. Police officers can instantly verify your information by scanning the secure QR code in the app. Your vehicle's insurance and PUC status are also displayed digitally on this app. What if the police refuse to accept a digital copy? If an officer refuses to cooperate despite clear rules, inform the police that DigiLocker documents are valid, according to the Ministry of Road Transport's official circular. If the dispute escalates, you should talk to a senior officer present there or lodge a complaint on the traffic helpline. You can make a video of showing the digital document so that the wrong challan can be challenged in the court later. Pay special attention to these things: In today's time, the traffic system of India has become completely hi-tech, where e-challan and digital verification have made the work very transparent. There is a fear of losing or tearing the physical documents while carrying them, but they are always safe in the digital locker. However, keep in mind that only the records present in the 'DigiLocker' or 'mParivahan' app are valid. Keep in mind that the police may refuse to accept a simple photo or scanned copy taken on the mobile.

The truth about Poonam Pandey's pregnancy has come to light, revealing the truth; fans have also reacted.

Fans and social media users are often incredulous at Poonam Pandey's words. She has even faked her own death for cancer awareness. Recently, when Poonam Pandey shared photos of her baby bump and announced were shocked. Some people were Today, Poonam Pandey shared a the truth. Fans' suspicions were posted a video on Wednesday, wishes. But I am not pregnant. wars raging around the world, I thought I'd entertain you a bit.' Fool Banaya...' and laughs out laughing - When social media learned that she was playing an burst out laughing. Many social emojis on Poonam Pandey's wrote, 'We already knew.' In fact, normal photos of herself a few posted a photo with a baby she was playing some kind of spread last year - Poonam April Fool's Day proved to be 2024, news of Poonam Pandey's the actress explained that she did addition to false news, Poonam Pandey has been embroiled in several controversies.

her pregnancy, fans and netizens unsure about her pregnancy. video about the matter, revealing proven correct. Poonam Pandey saying, "Thank you for your It's April Fool's Day. There are and many people are stressed." She then sings the song 'April heartily. Social media users burst users and Poonam Pandey's fans April Fool's prank, everyone media users shared laughing Instagram post. Some users Poonam Pandey had shared days ago. Then, on Tuesday, she bump, leading people to believe prank. False news of death was Pandey's pregnancy news on false. It's worth noting that in death from cancer spread. Later, this to raise cancer awareness. In

Will Tulsi tie the knot between Mihir and Noyna? A major twist is coming in 'Kyunki...2'

The popular TV serial 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2' is leading the TRP race. The show is also experiencing an interesting turn. A new twist is expected in the upcoming episode. The cycle of marriage and divorce First, Pari got divorced, then Mihir Hrithik has now settled down with has resumed. Meanwhile, after deteriorating situation at home, Tulsi children. However, something has Mihir's marriage to Noyna. Will Tulsi the previous episode, Noyna's health identity. It's revealed that she has blood in her illness, she remains obsessed day, Tulsi learns of Noyna's illness. Tulsi. Tulsi resolves to fulfill Noyna's tells Mihir about Noyna's last wish. remains adamant and persuades will only do so if Tulsi stays with her Niketan. All the family members are welcomes Noyna and accommodates wedding is determined by the priest - date for Mihir and Noyna's wedding. The auspicious date is three days away, and Tulsi is preparing for the wedding. Meanwhile, Noyna expresses another wish to Tulsi, saying, "I want you to solemnize the marriage between Mihir and me." Tulsi is stunned by this. It will be interesting to see in the upcoming episodes whether Tulsi will personally perform Noyna and Mihir's wedding, or whether some other new twist will emerge. Is Noyna up to any new tricks? - A promo for the show has also been released. In it, Noyna can be seen thanking Tulsi. Tulsi says, "There's still a big surprise in store." This raises the question whether Noyna is playing a trick under the guise of illness, which Tulsi has already discovered. Currently, netizens are making various speculations on the promo that has come out and are claiming that it will not be Noyna and Mihir, but Tulsi and Mihir who will get married.

continues in 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2'. and Tulsi, followed by Hrithik and Mithali. However, Munni. Pari's love story with her ex-husband Ajay discovering Noyna's truth and to manage the has returned to Shanti Niketan for the sake of her happened that Tulsi is now preparing to arrange apply her rightful sindoor to Noyna's forehead? In suddenly deteriorates after she discovers her true cancer and lives for only a few months. However, even with Mihir's love and wishes to die as his wife. One When she visits her, Noyna reveals her last wish to wish. Tulsi welcomes Noyna! Tulsi returns home and Mihir is deeply angered by this. However, Tulsi Mihir, citing family honor. Mihir agrees, but says he at Shanti Niketan. Tulsi then brings Noyna to Shanti against Tulsi's decision. However, Tulsi herself warmly her at Shanti Niketan. The auspicious date for the Tulsi calls the priest home and arranges the auspicious

A village farmer displayed a strong command of English on "Wheel of Fortune," surprising even Akshay Kumar.

The recent episode of the TV reality show "Wheel of Fortune" featured an interesting and entertaining moment that won the hearts of viewers. Find out what made the episode special. In a recent episode of "Wheel of Yashoda, from a small village in everyone not only with her game excellent English. This video is media. Responses in English leave During the episode, show host repeatedly spoke to Yashoda in always responded in English. This after which Akshay couldn't help you testing my English?" "I'm and you're talking to me in everyone on the set burst into humorous comment on his own there. A little later, Akshay even saying, "She's definitely testing my thinks my English is weak, and to speaking correctly." Akshay's resonated with the audience. being a farmer, is also an English revealed that Yashoda is a farmer cultivates agriculture in her village. feature is that she also teaches her area. Her initiative and

Fortune," contestant Uttar Pradesh, stunned but also with her going viral on social Akshay astonished. Akshay Kumar Hindi, but Yashoda continued for some time, but jokingly said, "Are talking to you in Hindi, English." Hearing this, laughter. Akshay's English didn't stop teased his own English, English, because she be honest, she's lighthearted style Yashoda, in addition to teacher. The show also by profession and However, her special English to the women in confidence impressed not only Akshay Kumar but the audience as well. This moment went viral on social media: Although Yashoda performed well in the game, the real talk of the episode was her and Akshay Kumar's hilarious conversation. Clips of this moment are going viral on social media and people are not tired of praising Yashoda.